

विशेष रिपोर्ट अप्रैल 2022

# काँटन, कैस्टर एवं ग्वारसीड



## अहम कारक

- मौजूदा कीमत पर घरेलू धागा मिलों की ओर से कपास की मांग
- भौतिक बाजार में कपास की आवक
- सीसीआई द्वारा उत्पादन अनुमान
- अमेरिकी कपास की बुआई और मौसम का अनुमान
- देश से कपास और सूत का निर्यात



Source: Reuters & SMC Research

- अधिक औद्योगिक मांग और नए सीजन में कपास की फसल से कम आपूर्ति के कारण मार्च में एमसीएक्स पर काँटन की कीमतों में लगभग 17% से अधिक की वृद्धि हुई है और अब तक के उच्चतम स्तर 43380 पर पहुंच गई। इसके अलावा, यूएसडीए और सीएआई दोनों ने अपने नवीनतम रिपोर्ट में कपास के उत्पादन अनुमान में कटौती की है, जिससे मार्च के महीने में कीमतों को मिली है।
- बाजार में कम आपूर्ति की वजह से घरेलू कीमतें रिकॉर्ड उच्च स्तर पर हैं। इसके अलावा, घरेलू मिलों की बढ़ती खपत और उत्पादन अनुमानों में गिरावट के कारण अगले कपास सीजन के लिए स्टॉक अनुमानों में कमी का अनुमान है।
- टेक्सास जैसे प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बिगड़ने के कारण मजबूत मांग के कारण आपूर्ति में कमी की आशंका बढ़ जाने से आईसीई में काँटन की कीमतों में भी 17% से अधिक की वृद्धि हुई।
- चालू फसल सीजन में कपास का उत्पादन 340.62 लाख गांठ रहने का अनुमान है, जो दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 348.13 लाख गांठ से कम है। नतीजतन, इस सीजन में कपास का निर्यात घटकर केवल 40 लाख गांठ रहने की उम्मीद है, जबकि कपास का आयात 18 लाख गांठ तक बढ़ने की संभावना है, जो पिछले अनुमान 15 लाख गांठ से अधिक है।
- मौजूदा बाजार वर्ष में, मार्च तक लगभग 36 लाख गांठ कपास का निर्यात किया गया, जो पिछले साल के 43 लाख गांठ के निर्यात मात्रा की तुलना में कम है। इस सीजन में ऊंची कीमतों का असर कपास के निर्यात पर पड़ा है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार, मुख्य रूप से बांग्लादेश, चीन और वियतनाम को 2020-21 (अक्टूबर-सितंबर) में 75-78 लाख गांठ की तुलना में इस सीजन में कपास का निर्यात 40-45 लाख गांठ हो सकता है।
- यूएसडीए की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले सीजन(2022) में कपास की बुआई कुल 12.2 मिलियन एकड़ में होने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है।

## आउटलुक

वर्तमान में, एमसीएक्स में काँटन( अप्रैल ) की कीमत अब तक के उच्च स्तर रिकॉर्ड 43380 के करीब कारोबार कर रही है। घरेलू बाजार में फिलहाल कताई मिलें जरूरत के हिसाब से ही कपास खरीद रही हैं, क्योंकि घरेलू बाजार में कीमतें काफी ऊंचे स्तर पर हैं। लेकिन मिलों के पास स्टॉक कम है और मंडियों से उनकी ओर से खरीद जारी है। तकनीकी रूप से काँटन की कीमतों को 36120 के स्तर पर अच्छा सपोर्ट है और रेजिस्टेंस अब तक के उच्च स्तर पर है। अब तक के उच्चतम स्तर को तोड़ने से कीमतें 44,500 के स्तर तक बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, कपास का अंतिम स्टॉक पिछले साल की तुलना में कम होगा, जबकि देश भर में कोरोना के मामलों में हालिया कमी को देखते हुए घरेलू कपास की खपत अधिक होने की उम्मीद है।

## काँटन का टेक्निकल स्तर

काँट्ट्रेक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	34,000	38,200	40,650	44,850	47,300
मई	34,500	38,600	41,000	45,100	47,500

## एमसीएक्स में काँटन वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



## काँटन वायदा ( एमसीएक्स ) का मौसमी चार्ट



# अरंडी बीज (कैस्टर सीड)

## अहम कारक

- चीन से अरंडी के तेल की निर्यात मांग
- भौतिक बाजार में अरंडी के बीज की आवक
- अरंडी के तेल और अरंडी मील का निर्यात
- किसान और तेल मिल मालिकों के पास स्टॉक



Source: Reuters & SMC Research

- मार्च महीने में अरंडी वायदा की कीमतें लगातार तीसरे महीने मजबूती के साथ बंद हुईं। कम उत्पादन की रिपोर्ट और इसके डेरिवेटिव उत्पादों-तेल और मील के लिए लगातार निर्यात मांग के कारण कीमतों में फिर से वृद्धि हुई है। एनसीडीईएक्स अरंडी (अप्रैल) वायदा की कीमतें मार्च 2022 में लगभग 6.4% बढ़ी है जबकि चीन से अरंडी के तेल की मजबूत मांग के कारण 2022 की शुरुआत के बाद से यह 29% से अधिक बढ़ी है।
- एसईए (सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ने 2022 में 2021-22 सीजन के दौरान भारत में अरंडी उत्पादन 17.95 लाख टन होने का अनुमान लगाया गया है, जो 2020-21 में 17.89 लाख टन था।
- एसईए के अनुसार, गुजरात अनुमानित उत्पादन में 15.47 लाख, राजस्थान 2.03 लाख और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना 35,000 टन का योगदान कर सकता है। 2021-22 में अखिल भारतीय अरंडी की पैदावार 2,228 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होने का अनुमान है, जो एक साल पहले 2,166 किलोग्राम थी। इसमें से गुजरात की उपज 2,371.3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर (2,342 किलोग्राम) और राजस्थान की उपज 1,690.2 किलोग्राम (1,780 किलोग्राम) अनुमानित है।
- कैलेंडर वर्ष 2022 के पहले दो महीने में, भारत से अरंडी के तेल का निर्यात 6.5% बढ़कर 94600 टन हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 11 महीने (अप्रैल-फरवरी) में निर्यात पिछले वर्ष के निर्यात 6.10 लाख टन की तुलना में 0.75% वर्ष हुआ है। कीमत के हिसाब से वित्त वर्ष 2021-22 में अरंडी के तेल की निर्यात में 30% से अधिक की वृद्धि हुई। लेकिन जनवरी और फरवरी 2022 में, अरंडी के तेल का निर्यात मूल्य पिछले साल की समान अवधि के 0.94 रु लाख प्रति टन की तुलना में लगभग 33% बढ़कर 1.25 रु लाख प्रति टन हो गया है। भारत ने वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-फरवरी) के दौरान 112 देशों को अरंडी के तेल का निर्यात किया और अरंडी के तेल के लिए शीर्ष तीन निर्यात गंतव्य चीन, नीदरलैंड और यूएसए थे।
- 2022 के पहले दो महीने ममें, उच्च निर्यात कीमतों के कारण भारत का अरंडीमील का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 10% घटकर 67200 टन रह गया। वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-फरवरी) के दौरान अरंडीमील का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 5.5% घटकर 3.69 लाख टन रह गया। का औसत मूल्य पिछले वर्ष के 67 डॉलर प्रति टन की तुलना में 51% से अधिक बढ़कर 115 डॉलर /टन से अधिक है।

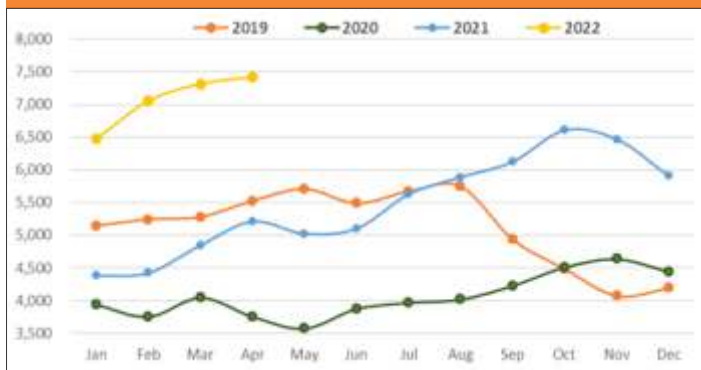
## आउटलुक

अरंडी के तेल और मील के निर्यात की अच्छी मांग के कारण वर्तमान में एनसीडीईएक्स में अरंडी वायदा की कीमतों में तेजी है। वर्तमान में, गुजरात में कम उत्पादन अनुमानों की संभावना से कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में लगभग 50% अधिक हैं। नए सीजन की फसल हाजिर बाजार में आने लगी है लेकिन तेल मिल मालिकों की ओर से अच्छी मांग से कीमतों को समर्थन मिल रहा है। अप्रैल और मई के दौरान अरंडी के तेल की उच्च निर्यात मांग से अधिक आवक सीजन के दौरान कीमतों को समर्थन मिला। अगर कीमतें 7650 के स्तर को तोड़ती है और इसके ऊपर बना रहती है तो कैस्टर सीड (मई) की कीमतें 8000 के स्तर तक कारोबार कर सकती है। कीमतों को 7240 के स्तर पर तत्काल समर्थन मिल रहा है।

## अरंडीसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	6,900	7,075	7,250	7,425	7,600
मई	6,940	7,130	7,300	7,490	7,650

## कैस्टरसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



## कैस्टरसीड वायदा का मौसमी चार्ट





# ग्वार कॉम्प्लेक्स

## अहम कारक

- किसानों और मिलों के पास स्टॉक
- भौतिक बाजार में ग्वारसीड की आवक
- ग्वारगम की निर्यात मांग
- अमेरिका में कार्यरत तेल रिग
- चारा और खाद्य उद्योग के लिए ग्वार डेरिवेटिव की मांग



- देश से ग्वार गम के निर्यात में बढ़ोतरी की खबरों के कारण मार्च 2022 में कीमतों में रिकवरी हुई है। कीमतों में करीब 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह 6325 रु प्रति क्विंटल पर बंद हुआ है। अक्टूबर 2021 में नए सीजन की शुरुआत के बाद से, ग्वारसीड की कीमतें कम उत्पादन की संभावनाओं और किसानों और स्टॉकिस्टों के पास घटते स्टॉक के कारण 13.5 फीसदी से अधिक बढ़ गई हैं।
- वर्तमान में कीमतें पिछले वर्ष की कीमतों की तुलना में लगभग 77% अधिक हैं क्योंकि किसानों के पास स्टॉक का स्तर कम है। किसानों ने अधिक कीमतों के कारण सीजन की शुरुआत के दौरान अपनी अधिकांश उपज बेच दी है।
- बेहतर सेंटीमेंट के बीच ग्वारसीड और ग्वारगम की हाजिर बाजार और वायदा कीमतों में मजबूती रही। ग्वारगम के निर्यात में बढ़ोतरी से प्रोसेसर और निर्यातक बाजार में सक्रिय नजर आए। प्रमुख बाजारों में नीलामी में ग्वारसीड की कीमत 5300-5900 रुपये प्रति क्विंटल बोली गई। ग्वारगम की कीमत 11,400 रुपये प्रति क्विंटल रही।
- देश भर में ग्वारसीड की आवक फरवरी में लगभग 16000-18000 बोरी की तुलना में मार्च में लगभग 14000-15000 बैग थी। नवंबर-दिसंबर 2021 में नए सीजन में ग्वार की आवक शुरू होने के बाद से किसानों के पास स्टॉक में लगातार गिरावट आई है।
- कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में ग्वारसीड का रकबा 5 साल में सबसे कम था क्योंकि किसानों ने ग्वार की तुलना में तिलहन, कपास या दालों को प्राथमिकता दी है। राजस्थान में ग्वारसीड का रकबा केवल 21-22 लाख हेक्टेयर था, जबकि 5 साल का औसत 30 लाख हेक्टेयर है।
- एपीडा के मुताबिक वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 10 महीने में देश ने 2.64 लाख टन ग्वार गम का निर्यात किया, जबकि पिछले साल 1.90 लाख टन निर्यात किया था। जनवरी 2022 के दौरान ग्वारगम का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 5% बढ़कर 22,300 टन हो गया, जो पिछले साल 21,250 टन था। इसके अलावा, वर्ष 2021 के दौरान ग्वारगम का निर्यात पिछले वर्ष के 2.41 लाख टन के निर्यात की तुलना में 27% से अधिक बढ़कर 3.07 लाख टन हो गया।

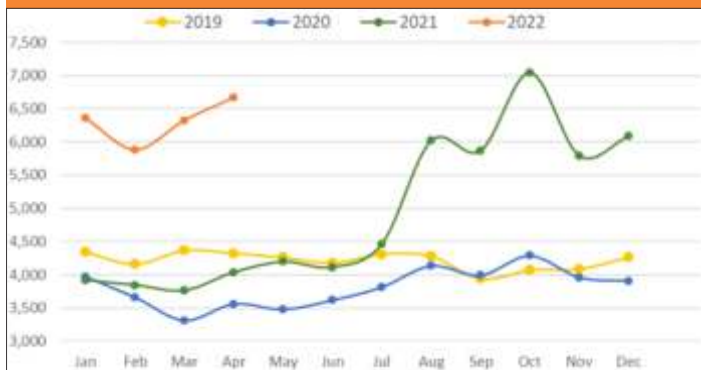
## आउटलुक

ग्वारसीड वायदा ने पिछले महीने तेजी के साथ शुरुआत की और 6560 के मजबूत रेजिस्टेंस को पार कर गया और अब अगला रेजिस्टेंस 7090 के स्तर पर देखा जा रहा है। 3 महीने से अधिक समय तक एक दायरे में स्थिर रहने के बाद मार्च में ग्वारसीड की कीमतों में तेजी आने लगी, जिसका मुख्य कारण ग्वारगम निर्यात में बढ़ोतरी और भौतिक बाजार में आवक में गिरावट है। अब ग्वारसीड वायदा (मई) की कीमतें 6500 से ऊपर रहने पर 7000 के स्तर तक कारोबार कर सकती हैं। सपोर्ट लगभग 6120 के स्तर पर देखा जा रहा है। किसानों के पास स्टॉक लगभग खत्म हो चुका है और इस सीजन में अच्छा रिटर्न मिला है। अब आगे की कीमतें निर्यात मांग और मानसून पूर्वानुमानों पर निर्भर करेंगी।

## ग्वारसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	5,513	5,927	6,169	6,583	6,825
मई	5,520	5,969	6,228	6,677	6,936

## ग्वारसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



## ग्वारसीड वायदा का मौसमी चार्ट



आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- [www.smctradeonline.com](http://www.smctradeonline.com)



**Corporate Office:**  
11/6B, Shanti Chamber,  
Pusa Road, New Delhi - 110005  
Tel: +91-11-30111000  
[www.smcindiaonline.com](http://www.smcindiaonline.com)

**Mumbai Office:**  
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,  
Graham Firth Steel Compound, Off Western  
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon  
(East) Mumbai - 400063  
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

**Kolkata Office:**  
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,  
5th Floor, Kolkata-700001  
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000  
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिट्टी नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिस्चर्च एनॉलिसिस) रेगुलेशन 2014 के तहत रिस्चर्च एनॉलिसिस के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एंथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निर्बंधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिस्चर्च एनॉलिसिस द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिस्चर्च एनॉलिसिस, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टू द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

**दिसक्लेमर:** यह रिस्चर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सिक्यूरिटीज एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरुद्ध सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।